नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

विकास और आत्मनिर्भरता का संतुलित खाका

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 केवल वार्षिक आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ता एक व्यावहारिक और दूरदर्शी आर्थिक रोडमैप है. वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और घरेलू अपेक्षाओं के बीच यह बजट संतुलन, निरंतरता और भविष्य उन्मुख सोच का परिचायक है. आर्थिक दृष्टि से यह बजट मांग सृजन, पूंजी निवेश और रोजगार निर्माण के तीनों स्तंभों को एक साथ साधने का प्रयास करता दिखता है.

इस बजट का सबसे मजबूत पक्ष बुनियादी ढांचे पर निरंतर भरोसा है. सरकार ने 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का प्रावधान कर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत की विकास रणनीति अभी भी 'कैपेक्स-ड्रिवन ग्रोथ' पर आधारित रहेगी. इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश का सीधा आर्थिक लाभ मल्टीप्लायर इफेक्ट के रूप में सामने आता है, जिससे सीमेंट, स्टील, लॉजिस्टिक्स और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ती है और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होता है. रेलवे के लिए घोषित नए हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर न केवल यात्री सुविधा का विस्तार हैं, बल्कि आर्थिक एकीकरण के साधन भी हैं.

दिल्ली-वाराणसी और मुंबई-पुणे जैसे कॉरिडोर व्यापारिक गतिविधियों को गति देंगे और क्षेत्रीय विकास की खाई को कम करेंगे. अमृत भारत 3.0 के तहत ट्रेनों के आधुनिकीकरण से घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को भी प्रोत्साहन मिलेगा, विशेषकर कोच निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में. कृषि क्षेत्र में तकनीक आधारित हस्तक्षेप इस बजट की एक अहम विशेषता है.

'भारत-विस्तार' जैसे एआई टूल किसानों को मौसम, मिट्टी और फसल प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराएंगे. इससे उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ जोखिम में कमी आएगी. आर्थिक रूप से यह पहल कृषि आय को स्थिर करने और ग्रामीण मांग को मजबूत करने में सहायक हो सकती है, जो समग्र अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. रोजगार और युवाओं पर केंद्रित प्रावधान इस बजट को सामाजिक-आर्थिक संतुलन प्रदान करते हैं. 'एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट' समिति शिक्षा प्रणाली और उद्योग की जरूरतों के बीच लंबे समय से चली आ रही खाई को पाटने का प्रयास है. वहीं आईटी और डाटा सेक्टर में 20 लाख रोजगार की संभावना यह दर्शाती है कि सरकार भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए क्रिएटिव और डिजिटल इंडस्ट्री को रणनीतिक महत्व दे रही है.

एमएसएमई सेक्टर के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एसएमई ग्रोथ फंड आर्थिक दृष्टि से अत्यंत निर्णायक है. छोटे और मझोले उद्योग भारत की रोजगार रीढ़ हैं. वैश्विक सप्लाई चेन दबावों के बीच इस सेक्टर को वित्तीय सुरक्षा देना घरेलू उत्पादन और निर्यात क्षमता दोनों को मजबूत करेगा. टेक्सटाइल पार्कों की घोषणा पारंपरिक कौशल और आधुनिक बाजार के बीच सेतु का काम करेगी. महिला सशक्तिकरण से जुड़े प्रावधान इस बजट को समावेशी बनाते हैं. शी-मार्ट जैसे प्रावधान महिला उद्यमिता को बाजार से जोड़ने की पहल है, जबकि हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल का प्रस्ताव शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का आधार तैयार करेगा. आर्थिक रूप से महिला श्रम भागीदारी बढ़ना दीर्घकालिक विकास के लिए अनिवार्य है.

कुल मिलाकर, बजट 2026-27 आर्थिक स्थिरता, संरचनात्मक सुधार और भविष्य की तकनीक के बीच संतुलन साधने वाला दस्तावेज है. यह बजट मध्यम वर्ग को स्थिरता का भरोसा देता है, उद्योग को निवेश का संकेत देता है और युवाओं को अवसरों का आश्वासन. आर्थिक नजरिए से यह एक सकारात्मक, यथार्थवादी और विकासोन्मुख बजट कहा जा सकता है, जो भारत को अगले दशक की आर्थिक छलांग के लिए तैयार करता है.

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026

नए भारत का लक्ष्य

संजीव परसाई,

यद्यपि सफाई और कचरा प्रबंधन का जमीनी ढांचा मजबूत है, लेकिन इसकी सफलता इसके कुशल प्रबंधन और वित्तपोषण पर निर्भर करती है. सभी निकायों को इसके लिए अधोसंरचनाओं और सभी व्यवस्थाओं को संचालन हेतु वित्तीय आत्मनिर्भरता का रास्ता तलाशना होगा. नियमों में निकायों को कचरा प्रबंधन प्रभार लगाना अनिवार्य है. इसके साथ नागरिकों को इन प्रभारों को चुकाने के लिए भी कहा गया है. विभिन्न माध्यमों और प्रक्रियाओं को सशक्त करने के लिए कचरे के कुशल प्रबंधन से भी आय अर्जन, रोजगार का रास्ता निकल सकता है. इस प्रकार ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 एक ऐसे भविष्य का खाका पेश करते हैं जहां कचरा अब छिपाने वाली समस्या नहीं बल्कि प्रबंधित की जाने वाली संपत्ति है. यदि इसे जन भागीदारी की भावना के साथ लागू किया जाता है, तो भारत स्थायी शहरी जीवन में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर सकता है.

साल 2014 में स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत के साथ ही देश ने साफ सफाई, कचरा प्रबंधन, खुले में शौच जैसी स्थितियों को खतम करने के लिए कमर कस ली. प्रधानमंत्री जी ने इसे नए भारत के निर्माण के लिए एक जरूरी कदम बताया. इस कदम से देश के नागरिक एक जुट होकर अपने देश को साफ करने की मुहिम में जुट गए. इन प्रयासों को दिशा देने के उद्देश्य से साल 2016 में ठोस अपशिष्ट नियम 2016 अधिसूचित किए गए. जिनसे तत्कालीन परिस्थियों के अनुसार कचरा प्रबंधन प्रक्रियाओं को सुधारने और उसमें सभी भागीदारों की जिम्मेदारी को तय करने पर फोकस था.

विगत वर्षों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, बाजार और तेजी से बदलती उपभोक्ता आदतों को देखते हुये, कचरे का प्रवाह बढ़ा है. जाहिर है, बदलती परिस्थियों में कचरे की चुनौतियों को एक नए नजरिए से देखने की जरूरत है. अब देश में कचरा प्रबंधन के लिए एक प्रभावी तंत्र का विकास हो चुका है, नागरिक इस विषय पर एकजुट हैं और हर स्तर पर जिम्मेदारी तय है.

अब देश को स्वच्छता संवहनीयता की दिशा में आगे बढ़ना है. इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, भारत सरकार ने हाल ही में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं. ये नए नियम एक दशक पुराने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियन 2016 का स्थान लेंगे. 1 अप्रैल, 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी होने वाले ये नियम भारत के कचरे के प्रति दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव लाएंगे. यह कचरा डंप करो की मानसिकता से हटकर सर्कुलर इकोनॉमी मॉडल की ओर बढ़ने का संकेत है.

हम जान रहे हैं कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है. बाज़ारों का आकार बढ़ने से शहरी कचरे की मात्रा साल 2030 तक 165 मिलियन टन सालाना तक पहुंचने का अनुमान है. जाहिर है यह स्थिति उपलब्ध बुनियादी ढांचे के लिए चुनौती पेश कर रही है. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 केवल एक नियामक औपचारिकता नहीं हैं, इनमें सभी संभावनाओं को ध्यान में रखा गया है. उम्मीद है ये नए भारत के लिए रणनीतिक जरूरत को पूर्ण करेंगे.

कचरे को ऊर्जा और कच्चे माल के संभावित स्रोत के रूप में मानकर, नए नियम भारत के विकास को वैश्विक पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के अनुरूप बनाते हैं.

2026 के नियम उन चुनौतियों को भी लक्षित कर रहे हैं जिनको पूर्व नियमों में लक्षित नहीं किया गया था. कचरे को अलग-अलग करना एक ऐसा अचूक विकल्प है, जो वर्तमान के साथ भविष्य को भी संरक्षित करने की ताकत रखता है. नियम 2016 के दो भागों सिर्फ सूखा और गीला में कचरे को लक्षित किया गया था, अब इसमें सेनेटरी वेस्ट (इस्तेमाल किए गए डायपर, नैपकिन) और विशेष हानिकारक कचरा (घरेलू खतरनाक वस्तुएं जैसे पेंट के डिब्बे, बल्ब और दवाएं) भी जोड़ दिए गए हैं. इस प्रकार अब कम से कम चार भागों में कचरा अलग-अलग निकाय को देना नागरिक की जिम्मेदारी होगी.

इसके साथ ही ऐसे अपार्टमेंट या परिसर जो बड़ी मात्रा में कचरे का सृजन करते हैं उन्हें अपने गीले कचरे को परिसर में ही संसाधित करने के लिए जवाबदेह बनाया गया है. इसके लिए उन्हें एक केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करते हुये अपने कचरे का संसाधन सुनिश्चित करना होगा. आप प्रदूषण, गंदगी करें तो आपको नुकसान की भरपाई करना होगा. नए नियम अब केवल सलाह नहीं बल्कि दंडात्मक हैं. इनमें उल्लंघन के लिए पर्यावरण मुआवजे का एक औपचारिक तंत्र का प्रावधान किया गया है, जिसका प्रबंधन नए गठित पर्यावरण (संरक्षण) कोष के माध्यम से किया जाएगा. इसी प्रकार औद्योगिक इकाइयों, विशेष रूप से सीमेंट और थर्मल प्लांटों को अब अगले छह वर्षों में अपने पारंपरिक ईंधन के 15त्न तक को आरडीएफ (संसाधित उच्च-कैलोरी कचरे) से बदलना आवश्यक होगा. इससे बड़ी मात्रा में निकलने वाले पैकेजिंग, सिंगल यूज, पॉलिथीन आदि के कचरे की बड़ी मात्रा का समाधान करने में मदद मिलेगी.

नए नियमों के तहत, लैंडफिल अंतिम विकल्प हैं, जो केवल गैर- पुनर्चक्रण योग्य और निष्क्रिय सामग्री के लिए आरक्षित हैं. कचरे के पहाड़ों के विस्तार को रोकने के लिए, शहरी स्थानीय निकायों को अक्टूबर 2026 तक सभी पुराने डंपसाइटों का मानचित्रण और उपचार करना होगा.

लेखक स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) मध्य प्रदेश में सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं.

फ्री ट्रेड से भारत-यूरोप दोनों को लाभ

मुक्त व्यापार समझौते से भारत और यूरोपीय संघ दोनों को फायदा होगा. भारत में 100 नई फैक्ट्री लग जाएंगी. डील लागू होने के बाद यूरोपीय यूनियन का भारत पर लगने वाला औसत टैरिफ 3.8 फीसदी से घटकर 0.1 फीसदी हो जायेगा, जिससे भारतीय निर्यात के 6.4 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ने की उम्मीद है. इस डील के बाद अब यूरोप में भारतीय कपड़े ज्यादा बिकेंगे क्योंकि अभी तक हमारे कपड़े और चमड़े पर यूरोपीय यूनियन 10 फीसदी ड्यूटी लगाता रहा है, जो कि इस डील के बाद घटकर शून्य हो जायेगा. इससे भारत में गारमेंट्स, लेदर, फुटवियर जैसी इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को सीधा फायदा होगा. दूसरी तरफ अगर फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के जरिये यूरोपीय यूनियन के फायदों को देखें तो भारत में बिकने वाली यूरोपीय शराब और वाइन की खपत काफी बढ़ जायेगी. क्योंकि अभी जहां वाइन पर 150 फीसदी का टैरिफ लगता है, वह ट्रेड डील के लागू होते ही 75 प्रतिशत हो जायेगा और आगे चलकर सिर्फ 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा. यूरोपीय कार मैन्यूफैक्चर्स की प्रीमियर सेगमेंट की कारें खासकर बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज, पोर्शे वगैरह की भारत में एंट्री काफी आसान हो जायेगी. सरकार अभी तक इन पर 110 फीसदी टैरिफ लगाती है, जो अगले 5 से 10 वर्षों में घटकर महज 10 फीसदी तक रह जायेगी. भारत में जिन कुछ यूरोपीय कारों के लिए तुरंत टैरिफ घटाने पर सहमति बनी है, वो 16 से 17 लाख रुपये की कीमत वाली होंगी. इसी तरह यूरोप को इस डील से केमिकल निर्यात में भी फायदा होगा. क्योंकि मशीनरी पर 44 प्रतिशत, केमिकल पर 22 फीसदी और फार्मा सेक्टर पर लगने वाला 11 फीसदी टैरिफ आने वाले कुछ सालों में घटकर शून्य हो जायेगा. यही नहीं यूरोप के आईटी, इंजीनियरिंग, बिजनेस, सर्विसेज और टेलिकॉम जैसे हाई वैल्यू सर्विस सेक्टर को भी भारत में इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के बाद ज्यादा मौके मिलेंगे. सवाल है इस बहुचर्चित डील क्या वह ट्रंप के टैरिफ का जवाब बनेगी? अमेरिका ने भारतीय समानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि ट्रंप के पहले तक यह टैरिफ महज 10 फीसदी था. यही कारण है कि भारत के निर्यात पर पिछले तीन महीनों में काफी नकारात्मक असर पड़ा है. अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाये जाने से भारत को करीब 36 अरब डॉलर का सालाना नुकसान हो सकता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

विंध्य की डायरी

भाजपा विधायक लापता, आखिर किसका डर?

डॉ. रवि तिवारी

रीवा से अलग हुए मऊगंज के भाजपा विधायक प्रदीप पटेल अक्सर अपने कामों को लेकर सुर्खियो में रहते हैं. लेकिन इन दिनों वह बिना कुछ किए चर्चा में हैं. पिछले कई दिनों से लापता चल रहे विधायक इन दिनों खौफ के साए में हैं. इसकी बानगी एक वीडियो से बयां हुई जिसमें वो खुद को असुरक्षित बता रहे हैं. वीडियो में परिवार के सदस्य से भी घर में

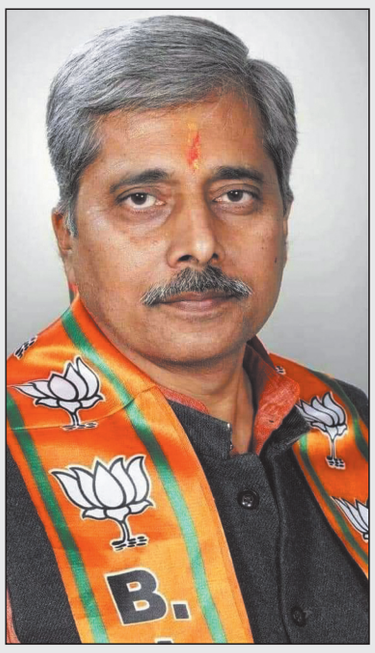

रहने को कहते दिख रहे हैं. बीते कई दिनों से क्षेत्र के लोगों से दूरी बनाए विधायक जी का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है. परिवार के सदस्यों को घर में ही रहने और बाहर न निकलने की सलाह दी. दरअसल 3 जनवरी की रात मऊगंज में एक भूमि विवाद के मामले में विधायक जी मौके पर पहुंचे थे. जहां नारेबाजी के साथ उन्हें घेर लिया गया था. किसी तरह पुलिस ने बचाकर निकाला था और दो दिन बाद से क्षेत्र में विधायक नहीं दिखे. अब सवाल यह उठता है कि विधायक जी को किससे डर है, परिवार से भी उन्होंने सतर्क रहने को कहा. पुलिस प्रशासन का कहना है कि जिले में स्थिति सामान्य है विधायक कहां है इसकी जानकारी नहीं है. वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारे में खलबली मची है. वहीं विपक्ष का कहना है कि प्रशासन पर दबाव बनाने का राजनीतिक स्टंट है. प्रशासन पर दबाव बनाने के लिये यह खेल है. भाजपा संगठन भी इस मामले में खामोश नजर आ रहा है. अपने दूसरे कार्यकाल में विधायक ने कई बार ऐसा माहौल बनाया जब संगठन को मैदान में उतरना पड़ा. फिलहाल विधायक जी कहां हैं किसी को पता नहीं.

सम्मान के नाम पर कटोरा!

मनगवां विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक इंजी. नरेंद्र प्रजापति हमेशा सोशल मीडिया में सक्रिय रहते हैं. इस समय माननीय विधायक का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह स्कूली छात्रों को कटोरा थमाते नजर आ रहे हैं. दरअसल मनगवां क्षेत्र के तिवनी स्थित श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी हायर सेकेण्ड्री स्कूल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पहुंचे थे. जहां उन्होंने छात्रों को सम्मान स्वरूप कटोरा थमाया. सोशल मीडिया में कार्यक्रम की फोटो-वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं. हालाकि विधायक की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

रेवांचल का सफर होगा सीधी तक

अति महात्वाकांक्षी ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना का काम रीवा से सीधी तक युद्ध स्तर पर चल रहा है. उम्मीद है कि मार्च के अंत तक रेलवे ट्रैक का कार्य पूरा कर लिया जायेगा और सीधी तक अप्रैल में रेल गाड़ी भी पहुंच जाएगी. दो दिन पूर्व रीवा सर्किट हाउस में रेलवे महाप्रबंधक के साथ बैठक में समीक्षा की गई. रेवांचल एक्सप्रेस को सीधी तक चलाने की तैयारी है. अभी रेवांचल एक्सप्रेस रीवा में खड़ी रहती है सीधी तक चलने से सीधी और सिंगरौली के लोगों को राहत के साथ सीधा संपर्क राजधानी से होगा. रेलवे परियोजना के पूर्ण होने से एक नया औद्योगिक कारिडोर विकसित होगा. परिणाम स्वरूप व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे.

निशानेबाज

अरिजीत का पार्श्वगायन छोड़ना चलता हूं, दुआओं में याद रखना

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, शिखर पर पहुंचकर जो व्यक्ति गरिमापूर्ण ढंग से खुद ही रिटायर होने का फैसला करता है, उसे दुनिया याद रखती है. युवा दिलों की धड़कन और हरदिलअजीज अरिजीत सिंह ने फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग या पार्श्व गायन छोड़ने का अचानक ऐलान कर सभी को स्तब्ध कर दिया.'

हमने कहा, 'अरिजीत ने काफी पहले ही इस कदम का संकेत देते हुए गाया था- अच्छा चलता हूं, दुआओं में याद रखना! उन्होंने अपनी शानदार फिल्म संगीत यात्रा एकाएक समाप्त कर दी. कोई सोच भी नहीं सकता था कि अपने करियर की ऊंचाई पर वह ऐसा निर्णय लेंगे.'

पड़ोसी ने कहा, 'जहां तक सोचने की बात है अरिजीत सिंह ने गाया था- मैं तुझे इतना चाहता हूं कि तू कभी सोच ना सके! हर व्यक्ति के जीवन का एक ग्राफ होता है. नदी के प्रवाह के समान चलनेवाली जिंदगी की कथा में कभी अनजाना मोड़ आ जाता है. इसीलिए अरिजीत सिंह ने 'तेरी-मेरी कहानी' गाया था. इसके अलावा उन्होंने एक और गीत

गाया था हमारी अधूरी कहानी!'

हमने कहा, 'देश विदेश में अरिजीत सिंह के फैन लाखों की तादाद में हैं. एक समय मोहम्मद रफी, मुकेश, किशोर कुमार, मन्नाडे, तलत महमूद, हेमंत कुमार व महेंद्र कपूर के गीतों के लोग दिवाने थे. फिर कुमार सानू, सोनू निगम का जमाना आया. बाद में अरिजीत सिंह की युवा दिलों को छूने वाली नई आवाज ने अपना जादू बिखेरा. 'चन्ना मेरेया' गाना कितना लोकप्रिय हुआ था!'

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, 'कहते हैं फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिभाशाली पार्श्व गायकों को सही पारिश्रमिक नहीं दिया जाता. आपको याद होगा कि गीतों की रॉयल्टी को लेकर लता मंगेशकर का राजकपूर से झगड़ा हो गया था. राजकपूर रॉयल्टी देने से इनकार कर रहे थे इसलिए लता ने उनकी फिल्मों के लिए गाना छोड़ दिया था. 2016 में अरिजीत की सलमान खान से खटपट हो गई थी.'

हमने कहा, 'चाहे जो भी हो अब अरिजीत सिंह अपने म्यूजिक एल्बम खुद निकालेंगे और म्यूजिक प्रोड्यूसर बन जाएंगे. वह ऐसे लीजेंड हैं जिनके फैन की तादाद कम नहीं होगी, बल्कि बढ़ती रहेगी.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12158 - डॉ. सागर खादीवाला

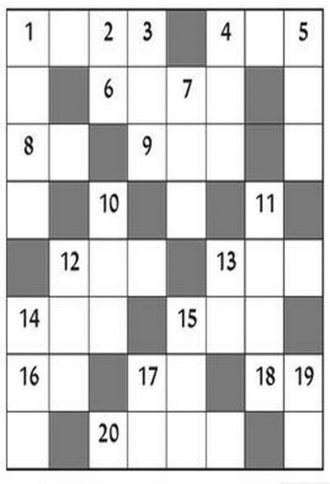

ऊपर से नीचे

1. आना, पहुंचना (सं.) 2. बहुत बड़ा 3. घड़ा, मंदिर आदि का शिखर 4. हर्ष प्रेम आदि के कारण शरीर के रोंगटे खड़े होना 5. शपथ, सौगंध (उर्दू) 7. खांड का पका हुआ शरबत 10. मेल, संयोग, भेंट 11. दुख या चिंता की बात भूलकर चित्त दूसरी ओर लगाना 12. नीच, क्षुद्र (उर्दू) 13. हाथ, महसूल 14. कमल (सं.) 15. सुगंध, गंध, जाने वाला 17. मूल-युक्ति, कार्य साधने की युक्ति 19 मछली, एक राशि (सं.)

बाएं से दाएं

1. आक्रमण करने वाला 4. एक विमान जो रावण ने कुबेर से छीन लिया था 6. खैरियत, गतिविधियां 8. बुद्धि, अक्ल, समझ, राय (सं.) 9. खरगोश 12. उक्ति, वचन, रचना (उर्दू) 13. बोलना, बयान करना 14. निकट, पास, करीब 15. जहर (सं.) 16. दुखी होकर आंसू बहाना 17. खोया हुआ, अप्रसिद्ध 18. मशहूर, प्रसिद्ध, नाम वाला, नामक 20. किसी वस्तु का दबकर टूटना, विदीर्ण होना

Solution 12157

ना	म	क	र	ण		स	च
ग	ग	रा			सु	फ	ल
फ	ज	र		वि	पु	ल	ता
नी		ना	म	मा	त्र		खा
	ल		ध्या	न		ज्ञा	ता
ले	प	ना		चा	ब	ना	
ख	टा	ई		ल		स	न
क		न	म	क	दा	न	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में स्त्री पक्ष से नवीन समाचार की प्राप्ति होगी, सुख प्राप्त होगा, नवीन मित्र से भेंट होगी, व्यापार के क्षेत्र में यात्रा की रूपरेखा बनेगी, वर्ष के प्रारंभ में शासन सत्ता का लाभ प्राप्त होगा, शिक्षा में रूचि रहेगी, मित्रों एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा, वर्ष के अन्त में भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना पडेगा, व्यर्थ के विवाद एवं मतभेद बढेंगे.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, शिक्षा में रूचि रहेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद हो सकता हे, शिक्षा में व्यवधान के कारण मानसिक परेशानी होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को मित्र एवं भाईयों के सहयोग से राजनैतिक लाभ प्राप्त होगा, व्यापार के क्षेत्र में लाभ का योग है,मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्र से भेंट होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भूमि भवन संबंधी विवाद का सामना करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्पष्टवादी, परोपकारी, दार्शनिक प्रवृत्ति का होगा, अपने कार्य में निपुण होगा, नेतृत्व करने की क्षमता अच्छी रहेगी, सूक्ष्मदर्शी और दूरगामी होगा, अपने उद्देश्यों के प्रति तत्पर रहेगा.

मेष- स्वास्थ्य में सुधार होगा, साझेदारी में बड़ी योजना शुरू कर सकते हैं, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी, सामाजिक कार्यों में उत्साह बना रहेगा.

वृषभ- कुछ लोग आपको अंधेरे में रखकर नुकसान कर सकते हैं, प्रियजन से मुलाकात सुखद रहेगी, अप्रत्याशित लाभ की प्राप्ति होगी.

मिथुन- मित्र की मदद से बिखरे कार्य समेटने में सफल होंगे, राजकीय मामलों में पक्ष मजबूत होगा, धार्मिक कार्यों के प्रति रूचि रहेगी.

कर्क- सूझबूझ से आगे बढ़ें सफलता मिलेगी, युवाओं को कामकाज में सफलता का योग है, वाद विवाद को टालें, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, उदर विकार से कष्ट होगा.

सिंह- सपने पूरा करने का संभव है, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, पारिवारिक सुख एवं सहयोग रहेगा, व्यवसाय में अनपेक्षित आगन्तुकों का समागम होगा.

कन्या- आत्मविश्वास की कमी से बड़ा फैसला लेने से बचेंगें, अपनी कार्य योजना को गुप्त रखें, गुप्त शत्रुओं से सतर्कता वांछनीय, प्रयासों का लाभ मिलेगा.

तुला- बीती बातों को भूलकर कार्य करें, सफलता मिलेगी, स्वजनों एवं प्रयासों में इच्छित कार्य पूर्ण होगा, अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

वृश्चिक- धार्मिक यात्रा की रूपरेखा बनेगी, सुख साधनों में वृद्धि होगी, अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, अनावश्यक खर्च बढ़ेगा.

धनु- रूका धन मिलने का योग है, जिम्मेदारी का कार्य बनेगा, कारोबारी यात्रा सफल रहेगी, कामकाज में बाधायें दूर होंगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

मकर- आत्मविश्वास से अपनी बात कहें, राह आसान होगी, अपने सामान की सुरक्षा व्यवस्था स्वयं करना हितकर रहेगा, मनोविकारों से मुक्ति मिलेगी, दाम्पत्य सुख रहेगा.

कुम्भ- कानूनी मामले में सावधानी से निर्णय की जरूरत है, खोया विश्वास फिर से मिलेगा, विवादास्पद मामलों को टालना हितकर रहेगा, पूज्य व्यक्ति की सलाह लें.

मीन- विरोधी खुलकर आलोचना करेंगे, सोच समझकर पूंजी निवेश करें, कार्य की अधिकता से थकान महसूस होगी, महिला जाति की सलाह लेना तिकर रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

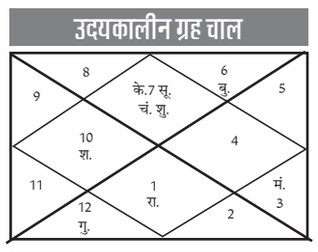

पंचांग

रा.मि. 13 संवत् 2082 फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा चन्द्रवासरे रात 2/32, आश्लेषा नक्षत्रे रात 11/36, आयुष्मान योगे प्रात: 8/1 तदुपरि सौभाग्य योगे रातअंत 5/54, बालव करणे सू.उ. 6/33, सू.अ. 5/27, चन्द्रचार कर्क रात 11/36 से सिंह, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

व्यापार भविष्य

फाल्गुन कृष्ण प्रतिपदा को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से गेहूं, चना, कपास, सन, वस्त्र, तांबा के भाव में तेजी होगी, अन्य वस्तुओं में हल्की तेजी की लाईन रहेगी. भाग्यांक 2512 है.

SUDOKU 7290

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7289

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8